केवल अनुपस्थित परीक्षार्थीओं के लिए : केवल 'बारकोड' अंकित यही एकमात्र पृष्ठ नीचे दी गई रेखा से काटकर पत्रक - A तथा पत्रक - B के साथ वापस भेजना है ।

इस प्रश्नपत्र में से कम या ज्यादा मात्रा में प्रश्न दिनांक ७ मार्च, २०१० को होनेवाली मुख्य परीक्षा में भी पूछे जाने की संभावना है ।

बोचासणवासी श्री अक्षरपुरुषोत्तम स्वामिनारायण संस्था

सत्संग शिक्षण परीक्षा

पूर्व कसौटी : सत्संग प्रवेश : प्रश्नपत्र - २

जनवरी, २०१० **समय : दौपहर २.०० से ४.१५** **कुल गुणांक : ७५**

स्वामिनारायण
BAPS

अनुपस्थित परीक्षार्थी की उत्तर पुस्तिका का केवल यही पृष्ठ वापस भेजना है ।

☞ **परीक्षार्थी के नाम सम्बंधित विवरण के साथ 'बारकोड' अंकित किया गया है । कृपया उस पर किसी प्रकार का नुक़सान मत कीजिए ।**

अनिवार्य : निम्न लिखित सूचना की परीक्षार्थी को अपने आप पूर्ति करनी है

परीक्षार्थी का जन्म दिन — दिनांक ☐☐ महीना ☐☐ वर्ष ☐☐☐☐

परीक्षार्थी का अभ्यास .....

परीक्षार्थी की उत्तर पुस्तिका पर अंकित नाम सहित अनिवार्य विवरण की सत्यता की जाँच करने के पश्चात् वर्ग निरीक्षक हस्ताक्षर करें ।

वर्ग निरीक्षक के हस्ताक्षर .....

मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्रश्न नंबर (गुण)	प्राप्तांक
	१ (९)	
	२ (६)	
	३ (५)	
	४ (५)	
	५ (५)	
	६ (८)	
विभाग-१, कुल गुण		

मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्रश्न नंबर (गुण)	प्राप्तांक
	७ (९)	
	८ (६)	
	९ (५)	
	१० (५)	
	११ (६)	
	१२ (६)	
विभाग-२, कुल गुण		

परीक्षक के हस्ताक्षर

.....

મોડરેશન વિભાગ માટે જ

ગુણ શબ્દોમાં . . . . . .

ચેક૨ - નામ

☞ परीक्षार्थीओं को महत्त्वपूर्ण सूचनाएँ :-

१. मुख्य परीक्षा के दिन वर्गखंड में उपस्थित प्रत्येक परीक्षार्थी वर्ग निरीक्षक से अपनी नामयुक्त उत्तर पुस्तिका के मुख्य पृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर वर्ग निरीक्षक के हस्ताक्षर करा लें ।

२. **बिना वर्ग निरीक्षक के हस्ताक्षर की उत्तर पुस्तिका मान्य नहीं होगी ।**

३. दायीं ओर दिए गए अंक प्रश्न के गुण दर्शाते हैं ।

४. सूचनानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए । अस्पष्ट उत्तर अमान्य होंगे ।

५. मुख्य परीक्षा में उत्तरवही के ईलावा अतिरिक्त पनों में लिखे हुए उत्तर मान्य नहि होंगे ।

६. **परीक्षार्थी केवल ब्लू या केवल काली स्याही वाली पेन से ही उत्तर पुस्तिका में उत्तर लिखे । पेन्सिल से अथवा लाल, हरी या अन्य स्याही से लिखे गए उत्तर या एक से ज्यादा स्याही से लिखि गई उत्तर पुस्तिका मान्य नहीं होगी ।**

७. परीक्षा कार्यालय, अहमदाबाद की पूर्व मंजूरी बिना मूल परीक्षार्थी के बदले 'लेखाकार' या 'डमी राईटर' एवं 'दूसरे व्यक्ति' द्वारा लिखी गई परीक्षा की उत्तरवही रद गीनी जाएगी । एक से ज्यादा प्रकार के अक्षरों की लिखावट रद मानी जाएगी ।

८. **परीक्षा खंड के बाहर** और अन्य सभी परीक्षार्थीओं से अलग या परीक्षा के नियमों का उल्लंघन कर के दी गई परीक्षा मान्य नहीं होगी ।

विभाग - १ : किशोर सत्संग प्रवेश

प्र. १ निम्नलिखित कथन कौन, किसको और कब कहता है, यह लिखिए । **(९)**

१. ''अब यह पेगड़ा पकड़कर घोड़ी के साथ दौड़ ।''

कौन कहता है ? ..... किसको कहता है ? .....

कब कहता है ? .....

.....

.....

२. ''तुम इतनी कड़ी मेहनत करते हो फिर भी न जाने क्यों, वे तीनों तुम्हारे विरुद्ध बोल रहे थे ।''

३. ''मुझ से देह में नहीं रहा जायेगा, मुझसे आपका वियोग नहीं सहा जायेगा ।''

प्र. २ निम्नलिखित कथनों के बारे में कारण लिखिए । (दो से तीन पंक्ति में) **(६)**

१. प्रभाशंकर ने विवाह नहीं करने का निर्णय किया ।

.....

.....

.....

.....

२. बापू हमीर खाचर की घोड़ी उठ बैठी ।

३. सत्संगियों को नित्य सूर्योदय के पहले उठ जाना चाहिए ।

प्र. ३ 'राणा राजगर' - **प्रसंग के बारे में १५ पंक्ति में टिप्पणी लिखिए । (वर्णनात्मक)** **(५)**

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

प्र. ४ निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए । **(५)**

१. श्रीजीमहाराज मोटाभाई को कैसे गढ़पुर ले गये ?

.....

.....

२. श्रीजीमहाराज कौन से भक्त की माला फेरते थे ?

३. सगराम अकाल के समय किस स्वामी के पास गये ?

४. श्रीजीमहाराज ने कौन कौन से उत्सव मान्य किए हैं ?

५. योगीजी महाराज ने सत्संग का इतना बड़ा प्रचार किया फिर भी किसका नाम प्रथम स्मरण करते थे ?

प्र. ५ 'भगवान ने कहा है कि .....' – **'स्वामी की बात' पूर्ण कीजिए और इसके बारे में निरूपण कीजिए ।** **(५)**

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

प्र. ६ निम्नलिखित कीर्तन / अष्टक / श्लोक आदि को सूचनानुसार पूर्ण कीजिए । **(८)**

१. राधे गोविन्द .....

..... माधवमुकुन्द ।

२. यज्ञपुरुषमां ..... प्रगट करी ।

३. मोहि में तव ..... समागम मोय ।

४. ''धर्मेण रहिता ..... श्रीकृष्णसेवनम् ।।'' – **इस श्लोक का हिन्दी में अनुवाद कीजिए ।**

विभाग – २ : शास्त्रीजी महाराज

प्र. ७ निम्नलिखित कथन कौन, किसको और कब कहता है, यह लिखिए । **(९)**

१. ''आप लोग बाहर चले जाइये ।''

कौन कहता है ? ..... किसको कहता है ? .....

कब कहता है ? .....

.....

.....

२. ''तुम से मुझे बहुत काम करवाना है ।''

३. ''अक्षरधाम की अनेक मुक्त आत्माएँ आप लोगों में बसकर यह काम कर रही हैं ।''

प्र. ८ निम्नलिखित कथनों के बारे में कारण लिखिए । (दो से तीन पंक्ति में) **(६)**

१. रणछोड भगत ने योगीजी महाराज को 'अड़सठ तीरथवाला' भजन गाने को कहा ।

.....

.....

.....

.....

२. महुवा में भगतजी ने प्रसन्नता के साथ यज्ञपुरुषदासजी के माथे पर हाथ रख दिया ।

३. कोठारी ने स्वामीश्री को सारंगपुर मन्दिर की व्यवस्था से मुक्त कर दिया ।

प्र. ९ 'गंगा–सागर का संगम' – **प्रसंग के बारे में १५ पंक्ति में टिप्पणी लिखिए । (वर्णनात्मक)** **(५)**

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

प्र.१० निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए । **(५)**

१. वड़ताल छोड़ने के बाद स्वामीश्री ने प्रथम उत्सव कौन सा और कहाँ किया ?

.....

.....

२. नारायणस्वरूपदासजी की प्रमुखपद की वरणी कहाँ की ?

३. निर्विकल्प निश्चय की बात कौन से वचनामृत में हैं ?

४. धर्मस्वरूपदास को समाधि में महाराज ने किसका और कितना प्रसाद दिया ?

५. शास्त्रीजी महाराज सारंगपुर मन्दिर के भव्य द्वार के लिए क्या कहते थे ?

प्र.११ निम्नलिखित विकल्पों में से केवल सही विकल्प के आगे दिए गए खाने में सही (✓) का निशान करें । **(६)**

सूचना : एक या एक से अधिक विकल्प सही हो सकते हैं । सभी सही विकल्प के आगे ही सही का निशान किया होगा तभी पूर्ण गुण दिए जायेंगे, अन्यथा एक भी गुण नहीं दिया जाएगा ।

१. अटलादरा में मन्दिर का आदर ।

(१) ☐ मूलु मेहतर और कृष्ण माली जहाँ पर रहते थे वह जगह प्रसादस्वरूप है ।

(२) ☐ हीराभाई बोचासण के मथुरभाई की तरह थे ।

(३) ☐ वह प्रसादस्वरूप ज़गह मिलती है तो वहाँ अवश्य मन्दिर बनवायेंगे ।

(४) ☐ मगनभाई ने वह ज़गह स्वामीश्री को दी ।

२. यज्ञपुरुषदासजी और रंगाचार्य ।

(१) ☐ सिद्धान्त कौमुदी की पढ़ाई शुरू की ।

(२) ☐ भगतजी महाराज के दर्शन की तीव्र इच्छा ।

(३) ☐ जागा स्वामी की महिमा कहते ।

(४) ☐ गढ़डा लक्ष्मीवाड़ी में जागास्वामी के साथ रंगाचार्य का मिलन ।

३. मनुष्य रूप में पधारे हुए भगवान के स्वरूप की पहचान किसने करवाई ?

(१) ☐ स्वामी चिदानन्द सरस्वती ने ।

(२) ☐ श्रीजीमहाराज के परमहंसों ने ।

(३) ☐ लेखक समरसेट ।

(४) ☐ गुणातीतानन्द स्वामी की साधुता, ब्राह्मी स्थिति और दृढ़ निष्ठा की बातें ।

प्र.१२ निम्नलिखित गलत वाक्य को उसके विषय के अनुलक्ष्य में सही लिखिए । **(६)**

सूचना :- संपूर्ण वाक्य सही लिखा होगा तो ही गुण प्राप्त होंगे । अन्यथा एक भी गुण प्राप्त नहीं होगा ।

उदाहरण : दिल की सफाई का साधन : कोठारी ने राजकोट कथा करने की आज्ञा की, इसमें तीन हेतु थे – पुरानो की पढ़ाई हो, गोंडल के पास होने से गोपालानंद स्वामी के कृपापात्र अदाश्री का सम्पर्क बना रहे ।

उत्तर : दिल की सफाई का साधन : **भगतजी** ने राजकोट **पढ़ने** की आज्ञा की, इसमें **दो** हेतु थे – **संस्कृत** की पढ़ाई हो, **जूनागढ़** के पास होने से **गुणातीतानंद स्वामी** के कृपापात्र **जागा भक्त** का सम्पर्क बना रहे ।

१. **अन्तिम लीला :** मूर्ति में देवों अखण्ड है इस स्वरूप को यदि समझ लिया जाये तो मूर्ति में और देवो में कोई अन्तर नहीं दिखाई देगा ।

उ. .....

.....

२. **वड़ताल में अक्षरपुरुषोत्तम का जयघोष :** लोग कालीदासभाई पर क्रोध करने लगे पर उनकी पहाडी पोशाक, छोटे हाथ और सख्त देह देखकर सब डाँट नहीं सके लेकिन आपस में बोलने लगे ।

३. **गुणातीत का गौरव :** अटलादरा में मथुरभाई जैसे ने ज़मीन दी, इस से गुणभाववाले विशेष खुश हुए । चार बंदूकवाले सिपाईयों घोड़े पर बैठकर निर्गुण स्वामी को पकड़ने गए ।

४. **चमत्कार की परंपरा :** हर दो दिन सन्तों के पास गीता, वेद और उपनिषद पढ़ते थे और सुबह मानसी करने के बाद काम करते थे ।

५. **यह तो मेरा छैलछबीला लाल :** जागा स्वामी का ये पार्षदवृंद हररोज खेतकाम, सफाई, मज़दूरीकाम, उपासना आदि में तत्पर रहते थे । सब पकाया हुआ भोजन लेते थे ।

६. **गुरुहरि का प्रथम जयन्ती महोत्सव :** योगीजी महाराज ने 'पार्षदो सोनामुहुर ले ही नहीं सकते' ऐसा कहकर इन्कार कर दिया । अन्त में मन्दिर बनाने में ये सोनामुहुर देव को देने की बात की ।

* * *